हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

11 त्योहारों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी



11 शहीद सिपाही महेंद्र सिंह व मुख्य सिपाही साजन्ट...



खबर संक्षेप

3.90 लाख की साइबर ठगी, दूसरा आरोपी काबू

डबवाली। साइबर अपराध शाखा डबवाली की टीम ने एंटीक नोट के बदले 15 लाख रुपए देने का झांसा देकर 3.90 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी रियाजुल को हरिद्वार उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस टीम इस मामले में सिम उपलब्ध करवाने के आरोपी उमर को 08 अक्टूबर 2026 को मेवात से गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर अपराध शाखा प्रभारी एवं पुलिस प्रवक्ता उप निरीक्षक आनंद कुमार ने बताया कि थाना सदर डबवाली में 18 सितंबर 2026 को दर्ज मामले में शिकायतकर्ता ओमप्रकाश ने शिकायत दी थी कि फेसबुक पर एंटीक नोट के बदले बड़ी कीमत मिलने संबंधी पोस्ट देखकर उसने संपर्क किया।

चना और मसूर के प्रमाणित बीज पर मिलेगा अनुदान

सिरसा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा रबी सीजन 2026-27 में दलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चना एवं मसूर के प्रमाणित बीज वितरण की योजना लागू की गई है। योजना के तहत पात्र किसानों को निर्धारित नियमों के अनुसार प्रमाणित बीज पर अनुदान का लाभ दिया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने बताया कि योजना के अंतर्गत किसानों को चना एवं मसूर की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हैरोइन बरामदगी मामले में वांछित धरा

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने हैरोइन बरामदगी मामले में वांछित सप्लायर आरोपी को रानियां क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुरमीत निवासी रानियां जिला सिरसा के रूप में हुई है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने बताया कि बीती 15 जून 2026 को सीआईए ऐलनाबाद की टीम ने नामधारी मोहल्ला रानियां क्षेत्र से एक युवक को 17 ग्राम 30 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह हैरोइन रानियां निवासी गुरमीत से खरीदी थी।

पुलिस ने हेरोइन सहित आरोपी को दबोचा

भट्टूकलां। एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद की टीम ने भट्टूकलां क्षेत्र से एक युवक को 19.15 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोनू पुत्र धर्मबीर निवासी भट्टू मंडी के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद के प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि एएसआई राकेश कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ भट्टू कलां बस अड्डे के पास गश्त के दौरान मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि कृष्णा कालोनी, भट्टू मंडी निवासी मोनू हेरोइन की सप्लाई करने के उद्देश्य से फतेहाबाद रोड पर स्थित वाटर वक्र्स के पास खड़ा है।

बिजली कर्मचारी आज से हड़ताल पर, फतेहाबाद में जलाईं आदेश की प्रतियां

गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी को 25 वर्षों के लिए लाइसेंस देने का कड़ा विरोध

- फतेहाबाद में इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सिटी प्रधान संजय कुमार ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा बिजली नियामक आयोग द्वारा गुरुग्राम और नूंह जिलों में निजी कंपनी इलेवन पावर को 25 वर्षों के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के फैसले के विरोध में पूरे प्रदेश के बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों का गुस्सा फूट पड़ा है। बिजली कर्मचारी आज से तीन दिन की हड़ताल पर रहेंगे। बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को फतेहाबाद की शहरी, अर्ध-शहरी व टीएल सब-यूनिटों में कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए फैसले की प्रतियां जलाईं। फतेहाबाद में इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सिटी प्रधान संजय कुमार ने की, जबकि मंच संचालन सह-सचिव संजय सैनी ने किया।



फतेहाबाद। निजीकरण के विरोध में एचईआरसी के आदेश की प्रतियां फूंकते बिजली कर्मचारी।

कर्मचारियों की ही नहीं आम जनता की लड़ाई

एचएसईबी वर्कर यूनियन फतेहाबाद के यूनिट सह-सचिव संजय सैनी ने सभी उपभोक्ताओं, किसानों, मजदूरों और दुकानदारों से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल कर्मचारियों की नहीं, बल्कि आम जनता की भी है। हड़ताल के दौरान संभावित परेशानियों से बचने के लिए यूनियन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने जरूरी बिजली संबंधी कार्य पहले ही निपटा लें तथा संघर्ष में कर्मचारियों का साथ दें।

सरकारी निगम को कमजोर करने की साजिश

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए इंजीनियर रिपनदीप सिंह, इंजीनियर रविंदर कुमार, सर्कल सचिव फकीर चंद, भूप सिंह और यूनिट सचिव राममिनवास शर्मा ने कहा कि निजीकरण का उद्देश्य जनकल्याण नहीं, बल्कि केवल मुनाफा कमाना होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुग्राम जैसे उच्च-राजस्व वाले क्षेत्र निजी कंपनी को सौंपकर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की कमर तोड़ी जा रही है। निजीकरण के बाद घरेलू व गरीब उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ पड़ेगा, सब्सिडी खत्म होगी और युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे।

आज से 24 अक्टूबर तक 3 दिन की पूर्ण हड़ताल

संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने ऐलान किया है कि इस फैसले के विरोध में और उपभोक्ताओं व कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रदेश भर में 22, 23 एवं 24 अक्टूबर तक लगातार 3 दिन की पूर्ण हड़ताल रहेगी। मोर्चे के नेताओं ने बताया कि 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे आगे के आंदोलन और भावी रणनीति का ऐलान किया जाएगा। यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया, तो हड़ताल को अनिश्चितकालीन भी किया जा सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।



सिरसा। बिजली कर्मचारी निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन करते हुए।

बिजली कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में किया जोरदार प्रदर्शन

- आज से तीन दिन की हड़ताल पर रहेंगे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को सिरसा सर्कल में बिजली कर्मचारियों ने बिजली के निजीकरण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा जिला के कस्बे ऐलनाबाद, डबवाली, कालांवाली व रानियां में भी कर्मचारियों ने पैरलल लाइसेंस की प्रतियां जलाकर केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा बिजली नियामक आयोग के चेयरमैन मुकेश गर्ग तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने सरकार की निजीकरण नीतियों के प्रति रोष व्यक्त करते हुए बिजली निगमों को बचाने तथा कर्मचारियों, किसानों और आम उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।

उपभोक्ताओं पर पड़ेगा बुरा असर

प्रदर्शन के दौरान एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के राज्य प्रेस सचिव श्याम लाल खोड ने कहा कि गुरुग्राम और नूंह जिलों में निजी कंपनी को 25 वर्षों के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के फैसले से सरकारी बिजली निगमों के भविष्य, कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा और आम उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका है। उन्होंने संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर 22, 23 और 24 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय हड़ताल आज रात 10 बजे से शुरू होगी।

लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ के लिए भाजपा ने की जिला टीम की घोषणा

फतेहाबाद। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ' अभियान के तहत फतेहाबाद में जिला टीम का गठन कर दिया गया है।

जिला अध्यक्ष प्रवीन जोड़ा एडवोकेट ने विभिन्न विभागों एवं गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए संयोजकों और सह-संयोजकों की नियुक्तियों की घोषणा की है। अभियान के तहत गठित मुख्य जिला समिति में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, जिला प्रभारी सुरेंद्र पूनिया, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दुग्गल, जिला अध्यक्ष प्रवीन जोड़ा, पूर्व विधायक दुड़ाराम, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, चेयरमैन भारतभूषण मिढ़ा और पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा को बतौर सदस्य जिम्मेदारी सौंपी गई है। मीडिया संबंधी गतिविधियों के लिए जिला मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी, मोहित गर्ग, सुरेंद्र सैनी और जगदीप मोंगा को जिम्मेदारी दी गई है। पदयात्रा कार्यक्रम के लिए चेयरमैन राजपाल बेनीवाल, संजय रेवड़ी, इंद्र गावड़ी और अनिल सिहाग को दायित्व सौंपा गया है। राष्ट्र चिंतन संवाद कार्यक्रम के लिए चेयरमैन बलदेव सिंह ग्रोहा, जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा और मार्केट कमेटी चेयरमैन जंगजीत हुड्डा को नियुक्त किया गया है। युवा संवाद के लिए जिला महामंत्री विकास ललोदा, बिट्टू गुर्जर और सुभाष साहू तथा छात्रों की प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए जिला महामंत्री अशोक जाखड़, बलदेव सैनी और अमृतपाल खुंबर को कमान सौंपी गई है।

इलाका विवाद के चलते वारदात, मनीषा महंत के अपहरण और मारपीट के मामले में आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

किन्नर के साथ मारपीट एवं अपहरण के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हरनाम सिंह कालोनी, फतेहाबाद निवासी अनूप कुमार पुत्र जयचंद के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक लोहे का पाइप भी बरामद कर लिया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पुलिस चौकी बस अड्डा में अशोक नगर निवासी मनीषा महंत ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, 14 अक्टूबर को दोपहर वह भट्ट रोड स्थित दुकानों पर बधाई मांग रही थीं। इसी दौरान कुछ लोग गाडिय़ों में सवार होकर वहां पहुंचे और क्षेत्रीय विवाद के चलते उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसे डंडों व लोहे की रॉड से गंभीर चोटें पहुंचाईं और जबरन एक गाड़ी में बैठाकर खैराती रोड की तरफ ले गए। पीड़िता के अनुसार, पाली होटल के पीछे कच्चे रास्ते पर ले जाकर उसके साथ दोबारा मारपीट की गई। बाद में परिजनों ने उसे उपचार के लिए फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में चिकित्सक द्वारा पीड़िता को बयान देने योग्य घोषित किए जाने के बाद 15 अक्टूबर को उसके बयान दर्ज किए गए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अनूप को गिरफ्तार कर लिया है।



फतेहाबाद। महंत से मारपीट मामले में गिरफ्तार युवक। फोटो : हरिभूमि

पुलिस कर रही तहकीकात

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की संलिप्तता और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है, ताकि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी दबोचा जा सके।

चेक बाउंस मामले में पीओ महिला को किया गिरफ्तार

सिरसा। पीओ स्टाफ सिरसा पुलिस ने चेक बाउंस मामले में वांछित महिला आरोपिया को गिरफ्तार किया है। पीओ स्टाफ प्रभारी ने बताया कि अदालत की ओर से महिला आरोपिया को मामले में कई बार नोटिस जारी कर पेश होने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन वह बार-बार अदालत में हाजिर नहीं हुई।

अदालत के आदेशों की अवहेलना पर अदालत ने 10 अगस्त 2026 को उसे पीओ घोषित कर दिया था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सिविल लाइन थाना सिरसा में बीएनएस की धारा 209 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी दौरान पीओ स्टाफ की पुलिस टीम को महिला आरोपिया के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए महिला आरोपिया पुनम रानी पत्नी संदीप कुमार निवासी इंद्रपुरी मोहल्ला, शिव चौक सिरसा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपिया को नियमानुसार अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना पुलिस ने कहा कि अदालत से संबंधित मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

9.690 ग्राम हैरोइन सहित दो युवक काबू

- एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस की टीम गश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस की टीम ने रानियां थाना क्षेत्र के गांव खारियां से दो युवकों को 9 ग्राम 690 मिलीग्राम हैरोइन सहित काबू किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस की टीम गश्त व चैकिंग के दौरान रानियां से होते हुए गांव खारियां की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब गांव खारियां के नजदीक पंहची तो सामने से दो युवक पैदल आते दिखाई दिए। उक्त युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखते ही अचानक वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने शक के आधार पर दोनों युवकों को काबू कर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से 9 ग्राम 690 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान मुकेश निवासी खारियां व अजय निवासी खाई शेरगढ़ जिला सिरसा के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ थाना रानियां में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।



सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़े गए आरोपी।

चना और मसूर को बढ़ावा देने को ब्लॉक स्तर पर होंगे प्रदर्शन प्लॉट

सिरसा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा रबी सीजन 2026-27 के दौरान दलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने और किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज के तहत ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन प्लॉट आयोजित किए जाएंगे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने बताया कि ज इसमें सामान्य श्रेणी के किसानों के लिए 80 एकड़ तथा अनुसूचित जाति श्रेणी के किसानों के लिए 20 एकड़ क्षेत्र शामिल है। इसी प्रकार मसूर की फसल के लिए जिले में 25 एकड़ क्षेत्र में प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

आरोपियों से 18 लीटर देसी घी, बीड़ी के 350 पैकेट व अन्य चोरी का सामान बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नई सब्जी मंडी स्थित एक किरयाणा स्टोर से सामान चोरी करने के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमित तथा राजेश कुमार पुत्र सुभाष निवासी नहर कालोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि इंद्रपुरा मोहल्ला निवासी सतीश कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह नई सब्जी मंडी में महालक्ष्मी किरयाणा स्टोर नाम से दुकान चलाता है और उसकी दुकान पर अमित नामक युवक काम करता था। 19 अक्टूबर की रात जब सतीश दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहा था, तभी अमित दुकान के अंदर से एक गत्ते की पेटी निकालकर बाहर ले आया।

पुलिस मामले में आगामी जांच कर रही

पूछताछ करने पर अमित ने पेटी में बिस्कुट होने की बात कही, लेकिन जब दुकानदार को संदेह हुआ और उसने पेटी की जांच की, तो उसमें से देसी घी के 18 पैकेट निकले। अगले दिन जब दुकान में रखे अन्य सामान का मिलान किया गया, तो भारी मात्रा में सामान गायब मिला। शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने इस मामले में दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया है, जिसमें 18 लीटर स्वेता देसी घी, बीड़ी के 350 पैकेट, सिगरेट के 5 कार्टून, 55 लाइटर, लाइटर के 6 बॉक्स, एलोवेरा जेल का एक पैकेट और एक किलोग्राम जलजीरा पाउडर शामिल है। पुलिस मामले में आगामी जांच कर रही है।

नन्हेड़ी में पुलिस की रेड, चुन्नी में छिपाकर लाई जा रही हेरोइन के साथ महिला गिरफ्तार

- सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने गांव नन्हेड़ी में बताए गए स्थान पर दबिश दी, और तस्कर महिला को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की

फतेहाबाद। जिले की पुलिस चौकी कुलां की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांव नन्हेड़ी से एक महिला को 7.69 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान सुमित्रा देवी पत्नी बग्गा सिंह, निवासी गांव नन्हेड़ी के रूप में हुई है। कुलां पुलिस चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक कश्मीर सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक तेजपाल के नेतृत्व में पुलिस टीम महिला कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में गश्त के दौरान गांव जापतेवाला बस अड्डा के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गांव नन्हेड़ी निवासी एक महिला अपने घर के सामने गली में खड़े होकर हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने गांव नन्हेड़ी में बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम को अचानक अपने सामने देखकर एक महिला तेजी से अपने मकान के अंदर जाने लगी, जिसे महिला पुलिस कर्मियों की सहायता से तत्परता दिखाते हुए काबू कर लिया गया।

7.69 ग्राम हेरोइन बरामद

छताछ के दौरान उसने अपनी पहचान सुमित्रा देवी के रूप में बताई। महिला पुलिस टीम ने जब उसकी तलाशी ली तो महिला की चुन्नी के अंदर से 7.69 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया है और इस संबंध में थाना सदर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बैठक | जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर दिखाई सख्ती

एसआईआर कार्य, 3 दिन में दावों एवं आपत्तियों का निपटारा करने के निर्देश, 6 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फतेहाबाद जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को टोहाना में एसआईआर से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी तीन दिनों में दावे और आपत्तियाँ का निपटान करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीसी डॉ. विवेक भारती ने एसआईआर से संबंधित विभिन्न मामलों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

- बैठक में डीसी डॉ. विवेक भारती ने की समीक्षा



फतेहाबाद। एसआईआर को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते डीसी डॉ. विवेक भारती।

22 से 24 अक्टूबर तक 3 दिन की पूर्ण हड़ताल

उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सभी निर्धारित नियमों एवं समय-सारणी की सख्ती से पालना की जाए, ताकि कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं से प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निपटारा आयोग के निर्देशानुसार अक्टूबर तक किया जाना है। इसके बाद 6 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दावों एवं आपत्तियों से संबंधित सभी मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ निपटारा किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम आकाश शर्मा, नायब तहसीलदार अनिल कुमार, रसविन्द्र सिंह, बीडीपीओ राहुल श्योकंद, बलजीत सिंह, नायब तहसीलदार चुनाव राजकुमार सिहाग, एसडीओ मुकेश मेहला सहित प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

पचास वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे लोग, जिन्हें बचपन में चिकन पॉक्स हो चुका है या किसी बीमारी की वजह से जिनकी इम्यूनिटी वीक है, उन्हें शिंगल्स डिजीज हो सकता है। यह बहुत पेनफुल वायरल इंफेक्शन है, जिससे बचाव के लिए वैक्सीन लगवा सकते हैं। इस बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर दे रहे हैं बहुत यूजफुल एडवाइस।

पेनफुल डिजीज शिंगल्स वैक्सीन से संभव है बचाव



प्रिकॉशन



डॉ. विपुल गुप्ता
सीनियर फिजिशियन
नई दिल्ली

शिंगल्स रोग को हर्पीस जोस्टर भी कहा जाता है। यह वेरिसेला जोस्टर वायरस के इंफेक्शन से होने वाला एक पेनफुल डिजीज है। यह उन लोगों को हो सकता है, जिन्हें बचपन में कभी चिकन पॉक्स हो चुका है। दरअसल, चिकन पॉक्स ठीक होने के बाद उसके वायरस इनएक्टिव फॉर्म में रोगी के टिश्यूज में या स्पाइनल कॉर्ड की नर्व्स में पड़े रहते हैं। फिर जब व्यक्ति पचास वर्ष की उम्र को पार कर लेता है, किसी बीमारी की वजह से उसकी इम्यूनिटी वीक हो जाती है तो ये वायरस फिर से एक्टिव होकर उसकी बॉडी स्किन के किसी एक पार्ट पर छोटे-छोटे वेसिकल्स के रूप में सामने आ सकते हैं, जिसे शिंगल्स कहते हैं। इस रोग के होने की आशंका उन लोगों में ज्यादा होती है, जिन्हें डायबिटीज, बीपी, कैंसर, अस्थमा जैसे रोग होते हैं, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी काफी कमजोर हो जाती है।



शिंगल्स के लक्षण: शिंगल्स, बॉडी के किसी एक निश्चित पार्ट की स्किन पर छोटे-छोटे दानों या पानी वाले फफोलों के रूप में होता है। ज्यादातर शरीर के ऊपरी हिस्से यानी थोरेसिक पार्ट में, आंखों के पास या बैक पार्ट में स्पाइन के आस-पास की स्किन पर होता है।

शिंगल्स होने से पहले स्किन के उस पार्ट में बहुत ज्यादा दर्द महसूस होता है। फिर उसी स्थान पर तीन से पांच दिनों के बाद इसके वेसिकल्स प्रकट होते हैं। फिर इनमें पानी भर जाता है। इससे जुड़ा सबसे कॉम्प्लीकेटेड आस्पेक्ट, पोस्ट हरपेटिक न्यूराल्जिया है। इसमें कुछ पेशेंट्स को शिंगल्स के ठीक होने के बाद भी कई दिन, महीने या कभी-कभी एक साल तक करेंट लगने जैसा पेन होता रहता है।

अब उपलब्ध है वैक्सीन: शिंगल्स के मामले में अच्छी बात यह है कि अब इससे बचाव के लिए इफेक्टिव वैक्सीन उपलब्ध है। हालांकि वैक्सीन पहले भी उपलब्ध थीं लेकिन वो ज्यादा इफेक्टिव नहीं होती थीं और उनके कुछ साइड इफेक्ट्स भी होते थे। लेकिन अब शिंगरिक्स नामक वैक्सीन की दो डोज इससे बचाव करने में काफी कारगर है। इस वैक्सीन की दो डोज को दो से छह महीने के अंतराल पर लगाया जाता है। इसकी एफिशिएंसी 90 प्रतिशत से ज्यादा पाई गई है। इसलिए पचास वर्ष से ऊपर के ऐसे लोग, जिन्हें बचपन में स्मॉल या चिकन पॉक्स हो चुका है या जो बीपी, शुगर, अस्थमा के पेशेंट हैं या फिर जो इम्यूनोथेरेपी ले रहे हैं, वे शिंगल्स जैसे पेनफुल डिजीज से बचने के लिए यह वैक्सीन अपने डॉक्टर से कंसल्ट कर लगवा सकते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: जहां तक शिंगल्स के उपचार की बात है तो इसके पेशेंट्स को एंटीवायरल मेडिसिन दी जाती हैं। चूंकि यह बहुत पेनफुल डिजीज है, इससे राहत के लिए कई बार पेशेंट की कंडीशन के अनुसार नर्व्स को सुन्न करने वाली दवाएं भी दी जाती हैं। लेकिन इन दवाओं को देने के बाद भी कई बार पेशेंट को दर्द से पूरी राहत नहीं मिल पाती है। पेशेंट अपने रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पाता है। इसीलिए इससे बचाव के लिए वैक्सीन लगवाना ही कारगर उपाय है। *

प्रस्तुति: विज्ञान भूषण

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. राजेश कालिटा
जनरल मेडिसिन स्पेशलिस्ट, दिल्ली

बदलते मौसम में बढ़ जाता है कई बीमारियों के होने का रिस्क

मौसम में बदलाव का असर केवल तापमान पर ही नहीं, बल्कि हमारी सेहत पर भी पड़ता है। कभी सुबह और शाम हल्की ठंडक, तो कभी दिन में गर्मी, उमस, बारिश और बढ़ता वायु प्रदूषण शरीर के लिए कई तरह के रोगों के होने का रिस्क बढ़ा देता है। इनसे बचाव के लिए पूरी सावधानी बरतते हुए यहां दिए जा रहे सुझावों पर अमल करें।







इन दिनों मौसम में बदलाव हो रहा है। सुबह-शाम, रात में ठंड तो दिन में गर्मी लगती है। मच्छरों का प्रकोप और प्रदूषण भी बढ़ रहा है। इससे कई बीमारियों का रिस्क बढ़ गया है।

इन रोगों का बढ़ता है रिस्क

सर्दी-जुकाम और फ्लू: यह इस मौसम की सबसे आम समस्या है। इसमें नाक बहना या बंद होना, छींकें आना, गले में खराश, हल्का बुखार, बदन दर्द और थकान जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य जुकाम आमतौर पर 5-7 दिन में ठीक हो जाता है, जबकि फ्लू (इंफ्लूएंजा) में बुखार तेज होता है और कमजोरी अधिक रहती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में खांसने-छींकने और हाथ मिलाने से आसानी से फैलता है।

गले का संक्रमण: टॉन्सिलाइटिस और फेरिन्जाइटिस जैसे गले के संक्रमण में गले में दर्द, निगलने में तकलीफ, आवाज बैठना और कभी-कभी बुखार होता है। ठंडी चीजों का सेवन और अचानक तापमान बदलना इसके प्रमुख कारण हैं। बच्चों में यह समस्या अधिक देखी जाती है।

खांसी और ब्रोंकाइटिस: लगातार खांसी, सीने में जकड़न, बलगम और सांस लेते समय घरघराहट, ब्रोंकाइटिस के लक्षण हो सकते हैं। यदि खांसी दो-तीन हफ्ते से अधिक चले, तो डॉक्टर को अवश्य दिखाना चाहिए।

एलर्जी और अस्थमा: धूल, धुएं, परागकणों और प्रदूषण के कारण आंखों में खुजली, लगातार छींकें, नाक से पानी बहना और त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं। अस्थमा या दमे के मरीजों में सांस फूलना, सीटी जैसी आवाज और सीने में भारीपन बढ़ जाता है। प्रदूषण के दिनों में यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

वायरल फीवर: इसमें तेज बुखार, सिरदर्द, बदन टूटना, कमजोरी और कभी-कभी उल्टी या दस्त की शिकायत होती है। यह आमतौर पर 3 से 5 दिन में ठीक हो जाता है, पर आराम और पर्याप्त तरल पदार्थ जरूरी हैं।



डेंगू और मलेरिया: बरसात के बाद मौसम बदलने के दौरान रुके हुए पानी में मच्छर पनपते हैं। डेंगू, एडीज मच्छर के काटने से होता है, जिसमें तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द तथा शरीर पर दाने हो सकते हैं। मलेरिया में ठंड लगकर बुखार आता है और पसीना आकर उतर जाता है। इन दोनों बीमारियों में देरी करना जानलेवा हो सकता है, इसलिए तुरंत जांच कराना आवश्यक है।

पेट के संक्रमण: दूषित पानी और बासी भोजन से दस्त, उल्टी, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग, टाइफाइड और पीलिया (हेपेटाइटिस-ए) जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इनमें शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) सबसे बड़ा खतरा है।

जोड़ों का दर्द और अकड़न: ठंडे और नम मौसम में गठिया के रोगियों और बुजुर्गों के जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है।

त्वचा और आंखों की समस्याएं: मौसम में नमी, धूल, प्रदूषण और एलर्जी के कारण त्वचा में खुजली, चकत्ते, रूखापन तथा आंखों में जलन या पानी आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पसीने और नमी के कारण कुछ लोगों में फंगल संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

रोगों के कारण

इस मौसम में होने वाले तमाम तरह के रोगों के कई कारण हो सकते हैं।

तापमान में उतार-चढ़ाव: दिन में गर्मी और रात में ठंड होने से शरीर को बार-बार अपना तापमान संतुलित करना पड़ता है। इससे शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है।

वायरस का संक्रमण: फ्लू और सर्दी-जुकाम के वायरस ठंडे और शुष्क मौसम में ज्यादा सक्रिय रहते हैं।

नमी और गंदा पानी: बरसात के बाद जगह-जगह पानी जमा हो जाता है, जिसमें मच्छर पनपते हैं। साथ ही दूषित पानी से पेट की बीमारियां फैलती हैं।

एलर्जी के कारक: धूल, परागकण (पोलन), फफूंद और प्रदूषण के कण हवा में बढ़ जाते हैं, जो एलर्जी और दमे के रोगियों को परेशान करते हैं।

खान-पान में लापरवाही: मौसम के अनुसार खान-पान और सोने-जागने के समय में बदलाव न करने से भी शरीर बीमार पड़ जाता है।

बचाव है संभव

इस मौसम में होने वाले रोगों से बचने के लिए आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

लें पौष्टिक आहार: घर का ताजा और गर्म खाना खाएं। बाहर का खुला और तला-भुना भोजन, कटे हुए फल और बासी खाने से बचें। मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन लें। विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे अमरूद, आंवला, संतरा और नीबू का सेवन करें। भोजन में हल्दी, अदरक, लहसुन, तुलसी और काली मिर्च का प्रयोग करें, जो प्राकृतिक रूप से संक्रमण से लड़ने में सहायक माने जाते हैं। सूखे मेवे, दालें और अंकुरित अनाज प्रोटीन और ऊर्जा के अच्छे स्रोत हैं। बहुत अधिक मीठे पेय पदार्थों और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान: हमेशा उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं। दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं। गुनगुना पानी, सूप, दाल का पानी और अदरक-तुलसी का काढ़ा भी लाभकारी है।

बीमार व्यक्ति से रहें दूर: सर्दी-खांसी वाले व्यक्ति से उचित दूरी बनाएं। यदि आप स्वयं बीमार हैं, तो घर पर आराम करें, ताकि संक्रमण दूसरों तक न फैले। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को टिश्यू या कोहनी से ढकें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

पर्सनल हाइजीन का रखें ध्यान: हाथों को साबुन से कम से कम 20 सेकेंड तक धोएं, खासकर खाने से पहले, शौचालय के बाद और बाहर से आने पर। आंख, नाक और मुंह को बिना हाथ धोए न छुएं।

पहनें सही ड्रेस: परतों में ड्रेसेस पहनें, ताकि गर्मी या ठंड के हिसाब से उन्हें कम या ज्यादा किया जा सके। सुबह-शाम की ठंड से बचने के लिए हल्का जैकेट या शॉल साथ रखें। पसीने में भीगे कपड़े तुरंत बदलें और अचानक एसी या ठंडे कमरे से तेज गर्मी में न जाएं। एसी का तापमान 24-26 डिग्री से कम न रखें।

नाक, गले की देखभाल: जुकाम की शुरुआत में दिन में एक-दो बार भाप लें। गुनगुने पानी में चुटकी भर नमक डालकर दिन में 2-3 बार गरारे करें। सलाइन नेजल स्प्रे या ड्रॉप, धूल और एलर्जी में आराम देते हैं।

मच्छरों से सुरक्षा: घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों, टायरों और छत पर रखे बर्तनों का पानी हर सप्ताह बदलें या खाली करें। खिड़कियों पर जाली लगवाएं और सोते समय मच्छरदानी या रिपेलेंट का उपयोग करें। पूरी बांह के कपड़े पहनें, खासकर सुबह और शाम के समय। नालियों की सफाई और कीटनाशक के छिड़काव में सहयोग करें।

प्रदूषण से करें बचाव: बाहर निकलने से पहले वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) देखें। प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियां कम करें और जरूरत के अनुसार अच्छी फिटिंग वाला एन-95 मास्क पहनें। सुबह की सैर तब करें जब हवा की गुणवत्ता बेहतर हो। प्रदूषण अधिक हो तो घर के अंदर हल्का व्यायाम करें। प्रदूषण अधिक होने पर खुले में व्यायाम करने से बचें। घर में एयर प्यूरीफायर या घर के अंदर लगाए जाने वाले पौधे उपयोगी हो सकते हैं। दमे और एलर्जी के मरीज अपनी दवाइयां और इनहेलर हमेशा साथ रखें। सार्वजनिक जगहों पर खासकर बंद जगहों (बस, मेट्रो, बाजार) में जाना यथासंभव अवॉयड करें। जरूरत के अनुसार मास्क पहनें।

करें व्यायाम: प्रतिदिन 5-10 मिनट डीप ब्रीदिंग, अनुलोम-विलोम करें। कम से कम 30 मिनट टहलें, योग या प्राणायाम करें। तनाव कम करने के लिए ध्यान, संगीत या परिवार के साथ समय बिताएं। रोज 7 से 8 घंटे की नींद भी जरूर लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान



गुनगुने पानी से गरारे, अदरक-तुलसी की चाय, हल्दी वाला दूध और भाप लेना हल्के सर्दी-जुकाम में आराम पहुंचा सकता है। लेकिन यदि लक्षण गंभीर हों या कुछ दिनों में ठीक न हों, तो घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहने की बजाय चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। बच्चों को स्कूल भेजते समय मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं, हैंड हाइजीन रखना सिखाएं और उन्हें ठंडे पेय और आइसक्रीम से कुछ समय के लिए दूर रखें। बुजुर्गों को नियमित दवाइयां समय पर देना, गर्म कपड़े पहनाना और ब्लड प्रेशर तथा शुगर की जांच कराते रहना जरूरी है। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा, विशेषकर बुखार या खांसी की सिरप न दें। इंफ्लूएंजा वैक्सीन लगवा सकते हैं। लेकिन बच्चों, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, गर्भवती महिलाओं, दमा, मधुमेह या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को इसके बारे में डॉक्टर से सलाह लें।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

आंवले का सेवन करना है फायदेमंद

इन दिनों सब्जी-फल मार्केट में आंवला खूब बिक रहा है। यह सिर्फ विटामिन-सी का भंडार ही नहीं है बल्कि कई रोगों से बचाव में भी सहायक है। इसीलिए हमारे खान-पान से लेकर अनेक तरह की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आंवले का प्रयोग सदियों से हो रहा है। कभी दादी-नानी के मुरब्बे, कभी खट्टी, कसैली या तीखी स्वाद वाली चटनी, तो कभी आंवले का जूस, कभी आंवले का अचार। इस फल को अनेक तरीकों से सेहत और स्वाद दोनों के लिए खाया जाता है।

विटामिन-सी का खजाना: आंवले की सबसे बड़ी पोषण विशेषता इसमें मौजूद विटामिन-सी है। यह विटामिन शरीर में कोलेजन के निर्माण, घाव भरने की प्रतिरक्षा तंत्र के सामान्य कामकाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आंवला एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाने में मददगार होता है। आंवला खाना शरीर को जरूरी पोषण देने का एक तरीका है। लेकिन इसे किसी बीमारी का पूर्णतः इलाज नहीं समझना चाहिए।



ये भी होते हैं पोषक तत्व: आंवले में विटामिन-सी के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। मसलन पॉलिफेनॉल जैसे जैव सक्रिय यौगिक। ये यौगिक शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह रक्त में वसा के स्तर, रक्त शर्करा और शरीर में सूजन से संबंधित समस्याओं पर बेहद सकारात्मक परिणाम देता है।

नियमित रूप से आंवला खाने से मधुमेह, हृदय रोग या दूसरी गंभीर बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलती है।

रखें ध्यान: जिन लोगों को गुर्दे की पथरी की समस्या हो, उन्हें विशेष रूप से अधिक मात्रा में आंवले का रस या इस पर केंद्रित सप्लीमेंट लेने से पहले अपने डॉक्टर से इस पर गंभीरता से सलाह लेना चाहिए। अधिक चीनी वाले आंवले का मुरब्बा भी सीमित मात्रा में सेवन करने चाहिए। डॉक्टर से कंसल्ट कर ही इसकी मात्रा निर्धारित करें।

ऐसे करें सेवन: ताजा आंवला अच्छी तरह धोकर काटें और अपनी सहनशीलता के अनुसार थोड़ी मात्रा से खाना शुरू करें।

चटनी के रूप में आंवला खाने के लिए इसे धनिया, पुदीना और दूसरे मसालों के साथ तैयार कर सकते हैं। कद्दूकस किया हुआ आंवला गाजर या खीरे के सलाद में डालकर खा सकते हैं। बिना अतिरिक्त चीनी वाले आंवला के रस को पिएं, लेकिन इसे पानी का विकल्प न मानें। आंवले का मुरब्बा या कैंडी खाते समय चीनी की मात्रा का ध्यान जरूर रखें। *

प्रिकॉशन

ललिता गोयल

अगर आप भी अकसर अपनी गोद में लैपटॉप रखकर काम करते हैं तो सावधान हो जाएं, क्योंकि इससे कई तरह के हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। इन प्रॉब्लम्स और इनसे बचने के उपायों के बारे में जानिए।

क्या आप भी करते हैं गोद में लैपटॉप लेकर काम



आज के डिजिटल दौर में कंप्यूटर और लैपटॉप हम सबकी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई हो, ऑफिस का काम हो या ऑनलाइन मीटिंग, घंटों लैपटॉप के सामने बिताना अब आम बात हो गई है और अकसर लोग टेबल-कुर्सी पर बैठने के बजाय लैपटॉप को गोद में रखकर काम करना आसान समझते हैं। चाहे सोफे पर या बिस्तर पर बैठना हो गोद में लैपटॉप रखकर काम करना आरामदायक और सुविधाजनक लगता है, लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए बेहद हार्मफुल साबित हो सकता है। लैपटॉप से निकलने वाली हीट त्वचा और अंदरूनी टिशू को प्रभावित करती है, जिससे शरीर को कई तरह की गंभीर परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यहां जानते हैं कि लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से आपको किन दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

आंखों पर असर: लंबे समय तक पास रखकर लैपटॉप पर काम करने से आंखों में ड्रायनेस, सूजन, पानी आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

नींद न आना: गोद में लैपटॉप रखकर काम करते समय स्क्रीन आंखों के काफी करीब होती है। इससे निकलने वाली नीली रोशनी आंखों में सूखापन, जलन और थकान पैदा करती है। इसके कारण मस्तिष्क में 'मेलाटोनिन' हार्मोन का बनना कम हो जाता है, जिससे नींद न आने की समस्या होती है।

पुरुषों में इनफर्टिलिटी: पुरुषों में लैपटॉप की हीट का असर महिलाओं से ज्यादा होता है। जब लैपटॉप गोद में रखा होता है, तो स्क्रोटम का तापमान बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान होने से पुरुषों की स्पर्म क्वालिटी कमजोर होने लगती है और इस वजह से फर्टिलिटी में समस्या आ सकती है और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

रेडिएशन का असर: लैपटॉप को ज्यादा देर तक गोद में रखकर काम करने से लैपटॉप से निकलने वाली हीट लो फ्रीक्वेंसी रेडिएशन छोड़ते हैं और ब्लूटूथ कनेक्शन से ही रेडिएशन बाहर आती है और इस वजह से सिर दर्द की समस्या हो सकती है।

स्किन इंफेक्शन: लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवा के कारण त्वचा में जलन होने लगती है। लैपटॉप से निकलने वाली हीट के कारण स्किन पर रेड रैशेज आ सकते हैं। लंबे समय तक स्किन के संपर्क में लैपटॉप रखने से असामान्य त्वचा में छोटे-छोटे दाने हो सकते हैं।

पॉस्चर प्रॉब्लम: गोद में लैपटॉप रखकर इस्तेमाल करते रहने से कमर दर्द की समस्या हो सकती है। इससे शरीर के पॉस्चर पर भी असर हो सकता है। गर्दन में दर्द की शिकायत भी हो सकती है।

पीठ और कंधों में दर्द: गोद में लैपटॉप रखकर काम करते समय स्क्रीन आपकी आंखों के लेवल से काफी नीचे होती है। इस वजह से आपको गर्दन झुकाकर बैठना पड़ता है। लगातार इस स्थिति में रहने से रीढ़ की हड्डी का प्राकृतिक आकार बिगड़ने लगता है, जिससे सर्वाइकल, स्पॉन्डिलाइटिस और पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द की समस्या हो जाती है।

बचने के लिए क्या करें: इन सभी समस्याओं से बचने के लिए आप इन उपायों पर गौर कर सकते हैं।

- हमेशा लैपटॉप को एक टेबल पर रखकर इस्तेमाल करें।
- टेबल न हो, तो कुशन वाले लैप डेस्क या कूलिंग पैड का इस्तेमाल करें ताकि लैपटॉप की गर्मी सीधे शरीर तक न पहुंचे।
- हर 20 मिनट के काम के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें।
- अपनी आदतों में यह छोटा-सा बदलाव करके आप रीढ़ की हड्डी, त्वचा और संपूर्ण सेहत को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। *

(जनरल फिजिशियन डॉ. तृप्ति अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

अवेयरनेस

डॉ. नरेश कुमार
सीनियर जनरल फिजिशियन
एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

हालांकि देश में पोलियो इरेडिकेशन प्रोग्राम से वाइल्ड पोलियो वायरस से मुक्ति मिल चुकी है, लेकिन इस दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। वर्ल्ड पोलियो डे (24 अक्टूबर) के अवसर पर जानिए इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

पोलियो से बचाव के लिए सतर्कता बरतना है जरूरी

पोलियो को चिकित्सा विज्ञान में पोलियोमाइलाइटिस कहा जाता है। यह बीमारी पोलियो वायरस के कारण होती है, जो मुख्य रूप से मुंह के रास्ते शरीर में प्रवेश करता है और आंतों में अपनी संख्या बढ़ाता है। कुछ मामलों में वायरस रक्त के माध्यम से केंद्रीय तंत्रिका तंत्र तक पहुंचकर उन तंत्रिका कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जो मांसपेशियों की गतिविधियों को नियंत्रित करती हैं। इससे मांसपेशियों में कमजोरी या स्थाई लकवा हो सकता है। कुछ मामलों में यह सांस की मांसपेशियों को भी प्रभावित करता है, जिससे जान भी जा सकती है।



बच्चों को ज्यादा रिस्क: पोलियो एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। इसे 'बच्चों का लकवा' भी कहा जाता है। हालांकि यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में इसका खतरा अधिक होता है। लगभग 200 संक्रमित बच्चों में से किसी एक में गंभीर रूप दिखता है, यानी पैरालिटिक पोलियो। लकवाग्रस्त बच्चों में से 5 से 10 प्रतिशत की मौत भी हो सकती है।

क्या है स्थिति: डब्ल्यूएचओ के अनुसार वैक्सीन की बदौलत आज दुनिया भर में पोलियो की बीमारी लगभग खत्म हो चुकी है। भारत में भी 'दो बूंद जिंदगी की' संदेश लेकर चला पल्स पोलियो अभियान काफी कारगर रहा। फिर भी इसके वाइल्ड पोलियो वायरस और वैक्सीन डिराइव्ड पोलियो वायरस का खतरा कई देशों में अभी भी मौजूद है। इसीलिए भारत में रुटीन इम्यूनाइजेशन के तहत बच्चों को ओपीवी और आईपीवी की खुराकें दी जाती हैं और समय-समय पर पल्स पोलियो अभियान चलाए जाते हैं।

कैसे फैलता है: पोलियो वायरस इंसान के शरीर में मुंह के रास्ते दाखिल होता है। इसका मुख्य तरीका फीकल-ओरल रूट है, यानी दूषित पानी या खाना, साफ-सफाई की कमी, संक्रमित व्यक्ति के मल के संपर्क में आना। कभी-कभी खांसी या छींक के जरिए भी यह फैल सकता है। वायरस आंत में बढ़ता है और संक्रमित व्यक्ति के मल के जरिए हफ्तों तक बाहर निकलता रहता है। इसीलिए जहां सैनिटेशन कमजोर होता है, वहां यह तेजी से फैलता है।

रोग के लक्षण: पोलियो के ज्यादातर संक्रमित लोगों (लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा) में कोई लक्षण दिखते ही नहीं, लेकिन वे दूसरों को वायरस फैला सकते हैं। कुछ लोगों में हल्के लक्षण होते हैं। इनमें बुखार, थकान, सिरदर्द, उल्टी, गर्दन में अकड़न, हाथ-पैरों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी, गंभीर मामलों में हाथ या पैर में अचानक ढीलापन और लकवा होना।

पोलियो का इलाज: पोलियो का कोई प्रॉपर परफेक्ट इलाज नहीं है। एक बार लकवा हो जाए तो उसे ठीक नहीं किया जा सकता। इलाज सिर्फ सपोर्टिव होता है- आराम, दर्द की दवा, फिजियोथेरेपी, ब्रेसेस या कैलिपर्स और गंभीर मामलों में सांस के लिए वेंटिलेटर। इसीलिए रोकथाम ही सबसे कारगर उपाय है।

बचाव के उपाय: पोलियो से बचाव के लिए टीकाकरण और संक्रमण की रोकथाम बेहद महत्वपूर्ण हैं। पोलियो से बचने के लिए मुख्य रूप से दो प्रकार के टीकों का इस्तेमाल किया जाता है। ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी), जो मुंह में बूंदों के रूप में दी जाती है। इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) यह इंजेक्शन के माध्यम से दी जाती है। बच्चों को समय पर इसकी सभी खुराकें दिलाएं। 5 साल से कम उम्र के हर बच्चे को ओपीवी की डोज पिलाएं, चाहे उसे पहले सारी खुराकें मिल चुकी हों। साफ-सफाई और स्वच्छता का ध्यान रखें। खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोएं। साफ और सुरक्षित पीने का पानी इस्तेमाल करें। पानी उबालकर या फिल्टर करके पिएं। *

प्रस्तुति: सृजन अरोड़ा

खबर संक्षेप

किसानों को वितरित किया सरसों बीज

फतेहाबाद। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा की ओर से रबी सीजन 2026-27 के तहत राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन के अंतर्गत किसानों को निशुल्क प्रमाणित सरसों बीज वितरित किया गया। स्मार्ट किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, हसंगा, रतिया, फतेहाबाद द्वारा मूल्य श्रृंखला भागीदार के रूप में किसानों तक प्रमाणित बीज पहुंचाने की पहल की गई है। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित दुकान नंबर दो पर आयोजित वितरण कार्यक्रम में प्रत्येक पात्र किसान को दो एकड़ भूमि के लिए सरसों का बीज उपलब्ध करवाया गया। कृषि विकास अधिकारी अमित कुमार ने किसानों से अपील की कि वे सरसों की बिजाई के लिए प्रमाणित बीज ही खरीदें।

फतेहाबाद में कांग्रेस आज निकालेगी पदयात्रा

फतेहाबाद। 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत फतेहाबाद जिले में वीरवार, 22 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी द्वारा तीन अलग-अलग ब्लॉकों में पदयात्रा एवं प्रदर्शन किया जाएगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन और पदयात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। अरविंद शर्मा के अनुसार 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा एवं जिला प्रभारी सुधा भारद्वाज की मौजूदगी में भट्टू में पदयात्रा व प्रदर्शन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद कुमारी शैलजा के नेतृत्व में रतिया में पदयात्रा और प्रदर्शन आयोजित होगा वहीं दोपहर एक बजे नागपुर ब्लॉक में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पदयात्रा निकाली जाएगी।

जिला में 69,467 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद

सिरसा। जिला की विभिन्न अनाज मंडियों में खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक कुल 69,467 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 24,749 मीट्रिक टन, हैफेड ने 34,177 मीट्रिक टन तथा हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने 10,541 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। खरीद के साथ-साथ मंडियों से धान का उठान भी जारी है। अब तक कुल 34,684 मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है, जबकि शेष धान का उठान जारी है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक हरवीर सिंह ने बताया कि जिले में धान खरीद से अब तक कुल 8,957 किसानों को लाभ मिला है। इनमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के माध्यम से 3,010, हैफेड के माध्यम से 4,629 तथा हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के माध्यम से 1,318 किसान लाभान्वित हुए हैं।

त्योहारों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 6 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

डेयरी, मिठाई की दुकानों और रसगुल्ला प्लांट पर पहुंची टीम मिलावट मिलने पर मिलावटखोरों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

त्योहारों के सीजन में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बुधवार को भूना में विशेष जांच अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि कुमार राठी के नेतृत्व में विभाग की टीम ने विभिन्न दुकानों, डेयरी और रसगुल्ला प्लांट से मिठाइयों सहित छह खाद्य पदार्थों के नमूने लिए।

विभाग की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हडक़ंप मचा रहा। अभियान के दौरान टीम ने मिश्रित दूध, देसी घी, खोया बर्फी, रसगुल्ले, बेसन के लड्डू और पनीर के एक-एक नमूने लिए। इनमें डेयरी से मिश्रित दूध, देसी घी और पनीर के नमूने एकत्र किए गए। वहीं, मिठाई की दुकान से खोया बर्फी और बेसन के लड्डू तथा रसगुल्ला प्लांट से रसगुल्ले का नमूना लिया गया।

इन नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता का पता लगाया जा सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि कुमार राठी ने दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी कारोबारी बिना जरूरी लाइसेंस के खाद्य कारोबार न करे। दुकानदार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, शुद्धता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। खाद्य सामग्री को सुरक्षित तरीके से तैयार करने और रखने के साथ उपभोक्ताओं को मानकों के अनुरूप सामान उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट पाए जाने या नियमों का उल्लंघन सामने आने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।



भूना। खाद्य पदार्थों के नमूने लेते खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि कुमार राठी।

त्योहारों परर शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना उद्देश्य

त्योहारों के दौरान मिठाइयों, दूध, घी, पनीर और खोया जैसे खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावट की आशंका को देखते हुए विभाग ने निगरानी बढ़ाई है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना तथा मिलावटखोरी पर रोक लगाना है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग का जांच अभियान जारी रहेगा। मिलावट पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी होगी।

पुलिस स्मृति दिवस पर अमर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, एसपी ने किया नमन

शहीद सिपाही महेंद्र सिंह व मुख्य सिपाही साजन्ट के साहस को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहीद परिवारों के प्रति जताया सम्मान

कुछ वीर ऐसे होते हैं, जो इतिहास के पन्नों में ही नहीं, बल्कि देशवासियों के दिलों में हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। वे अपना आज हमारे सुरक्षित कल के लिए समर्पित कर देते हैं। इन्हीं भावपूर्ण विचारों के साथ बुधवार को पुलिस लाइन फतेहाबाद में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और आमजन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की पावन स्मृति में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने पुलिस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके अद्वितीय साहस, त्याग और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और पुलिस दल द्वारा शहीदों के सम्मान में सलामी दी गई।

शहीदों को नमन करते हुए एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि 21 अक्टूबर केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उन असंख्य वीर पुलिसकर्मियों के त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को नमन करने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा। ये पंक्तियां हमें स्मरण कराती हैं कि देश के लिए दिया गया बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता। एसपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल जिम्मेदारी का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सेवा के प्रति अटूट समर्पण की पहचान है।



फतेहाबाद। पुलिस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते एसपी निकिता खट्टर। *फोटो : हरिभूमि*

फतेहाबाद के अमर शहीदों का बलिदान बताया

श्रद्धांजलि समारोह के दौरान फतेहाबाद जिले के वीर शहीदों को विशेष रूप से याद किया गया। एसपी ने 25 जुलाई 1991 को उग्रवादियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए सिपाही महेंद्र सिंह तथा 22 अप्रैल 2008 को अपराधियों का मुकाबला करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले मुख्य सिपाही साजन्ट की वीरता को नमन किया। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान करना और उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहना पुलिस विभाग का नैतिक दायित्व है। एसपर ने इस दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हाट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 वीर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्हीं वीर जवानों की स्मृति और देशभर में कर्तव्यपालन के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

समारोह में ये रहे मौजूद

समारोह में डीएसपी रतिया कुलबंत सिंह, डीएसपी फतेहाबाद जयसिंह, डीएसपी भूना नरसिंह, थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार, थाना जाखल प्रभारी निरीक्षक बलराज सिंह, कल्याण शाखा प्रभारी निरीक्षक रणवीर सिंह, थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार, थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक सुमित कुमार, थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार तथा थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह सहित अनेक पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भट्टू कलां में राष्ट्रीय एनएसएस शिविर

देश के 9 राज्यों के युवाओं ने सीखा सेवा और अनुशासन के पाठ



भट्टूकलां। एनएसएस कैम्प में अतिथियों का स्वागत करते स्कूल प्रबंधक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- चेयरपर्सन अनु राजेंद्र सरबटा ने युवाओं को देश की असली ताकत करार दिया

मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के छठे दिन का कार्यक्रम बेहद उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। इस राष्ट्रीय शिविर में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों व हरियाणा के 6 जिलों से आए लगभग 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में एनएसएस फतेहाबाद के जिला समन्वयक रोहताश कड़वासरा ने सभी मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अग्रवाल सभा व श्री कृष्ण गौशाला के प्रधान तथा अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री ब्रह्मानंद गोयल ने एनएसएस के राज्य अधिकारी डॉ. दिनेश शर्मा का इस राष्ट्रीय शिविर की मेजबानी भट्टूकलां क्षेत्र को सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के भीतर राष्ट्र-प्रथम की भावना, निस्वार्थ सेवा और संस्कारों का बीजारोपण करने का बेहतरीन मंच है। ब्लॉक समिति भट्टू कलां की चेयरपर्सन अनु राजेंद्र सरबटा ने समारोह को संबोधित करते हुए युवाओं को देश की असली ताकत करार दिया। मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन संजय सिंगला ने शिविरार्थियों को अनेकता में एकता का संदेश देते हुए कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं का यह संगम भारत की सांस्कृतिक विविधता और मजबूत अखंडता का जीवंत उदाहरण है। वहीं हनुमान मंदिर कमेटी के प्रधान संजय सिंगला ने निःस्वार्थ सेवा को मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म बताया।

बहबलपुर कॉलेज के चार हॉकी खिलाड़ियों का सीडीएलयू की मुख्य टीम में चयन

चयनित खिलाड़ी नॉर्थ जोन टूर्नामेंट में दिखाएंगे अपना दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सिंह और खेल कोच ने सभी चयनित खिलाडिय़ों को बधाई दी
- प्रिंसिपल ने विश्वास जताया कि नॉर्थ जोन टूर्नामेंट में ये खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे

मुख्तार सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज, बहबलपुर के चार खिलाडिय़ों का चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की मुख्य पुरुष हॉकी टीम में चयन हुआ है। ये सभी चयनित खिलाड़ी आगामी नॉर्थ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय और अपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हुए मैदान पर अपना जलवा बिखेरेंगे। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, इन खिलाडिय़ों का चयन उनके हालिया बेहतरीन खेल प्रदर्शन और कड़े चयन ट्रायल के आधार पर किया गया है। चयनित होने वाले खिलाडिय़ों में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र कुलवीर सिंह तथा बीए प्रथम वर्ष के छात्र देवकरण, सौरभ और गुरमुख सिंह शामिल हैं। खिलाडिय़ों की इस उपलब्धि पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सिंह और खेल कोच ने सभी चयनित खिलाडिय़ों को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। एक साथ चार खिलाडिय़ों का यूनिवर्सिटी टीम में चयन होने से पूरे कॉलेज परिसर में जश्न और खुशी का माहौल है। प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सिंह ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके कॉलेज के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने विश्वास जताया कि नॉर्थ जोन टूर्नामेंट में ये खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

खंड बडागुढ़ा में शुरू होगी कैंटीन

ओढां। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खंड बड़ागुढ़ा में कैंटीन शुरू की जाएगी। इस कैंटीन का संचालन स्वयं सहायता समूह की पात्र महिलाओं के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक स्वयं सहायता समूह एवं ग्राम संगठन 30 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक अपने आवेदन जमा करवा सकते हैं। डीपीएम दयानंद जांगड़ा ने बताया कि कैंटीन का संचालन स्वयं सहायता समूह खंड बड़ागुढ़ा की पात्र महिलाओं द्वारा किया जाएगा।

न्यूज डायरी



मंदिर रामदेवरा में चढ़ी अहमदाबाद की नवरंगी ध्वजा

फतेहाबाद। शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा में आसोज मास की बड़ी चांदनी दशमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर गुजरात के अहमदाबाद शहर से विशेष रूप से तैयार करवा कर लाई गई विशाल नवरंगी ध्वजा रही। इस दौरान बाबा रामदेव के जयकारों के बीच श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के प्रधान रमेश जोड़या और समिति के अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद इस भव्य और विशाल नवरंगी ध्वजा को बाबा रामदेव के मुख्य दरबार में स्थापित किया गया।



योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर: शर्मा

सिरसा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डिंग, सिरसा के तत्वावधान में पीटीआई, डीपीई, टीजीटी एवं पीजीटी (शारीरिक शिक्षा) के लिए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को महाराजा अग्रसेन कन्या सीनियर सेकंडरी स्कूल, सिरसा में शुरू हुआ। डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद भट्ट ने बताया कि 21 अक्टूबर से 04 नवंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य योग, प्राणायाम एवं बौद्धिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को योग के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

डोडा चूरापोस्त की सप्लाई के आरोपी दो भाई गिरफ्तार



सिरसा। सिरसा पुलिस ने डोडा चूरा पोस्त की सप्लाई व बरामदगी मामले में आरोपी दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पहले पकड़े गए युवक को डोडा चूरापोस्त सप्लाई करने का आरोप है। पुलिस अब मामले में नशा तस्करी से जुड़े दूसरे लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त 2026 को एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रानियां क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक युवक को काबू किया था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 6 किलो 76 ग्राम डोडा चूरापोस्त बरामद हुआ था। इस संबंध में रानियां थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।



प्रधानमंत्री के नाम जेजेपी ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। किसानों को दरपेश आ रही समस्याओं और देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली को लेकर बुधवार को जननायक जनता पार्टी सिरसा की जिला कार्यकारिणी ने उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा है। पार्टी के जिला प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि जेजेपी की जिला कार्यकारिणी की ओर से उपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य मात्र 25 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2610 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यह बढ़ोतरी मात्र करीब एक प्रतिशत ही है, जोकि किसानों के साथ बड़ा मजाक है। पिछले दस वर्षों में गेहूं के एमएसपी में हर वर्ष औसतन 100 से 160 प्रति क्विंटल की वृद्धि होती हुई आ रही है।

दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति ने किया शस्त्र पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की ओर से शस्त्र पूजन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका नेहा सिंह मुख्य वक्ता रहीं, जबकि विभाग संयोजिका किरण विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शन मंडल के संत विज्ञान प्रेमानंद ने की। मुख्य वक्ता नेहा सिंह ने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि बहनों एवं बेटियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोडऩा समय की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं से लव जिहाद जैसी चुनौतियों के प्रति जागरूक और सतर्क रहने तथा अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं परंपराओं को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने मातृशक्ति से दुर्गा वाहिनी के साथ अधिक से अधिक संख्या में जुडक़र सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

ये रहे उपस्थित

जिला सह-संयोजिका मातृशक्ति ममता गर्ग, जिला सत्संग प्रमुख संगीता गर्ग, पूनम, पुष्पा गांधी, मंजू चोपड़ा, नीलांशी शर्मा, जिला सहमंत्री चंद्र शेखर मिश्रा, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख राजेश पराशर, साहिब दयाल बघवा, ओमप्रकाश चुघ, अरुण गोयल, जिला संयोजक दिनेश नागपाल, नरेश बंसल, नगर अध्यक्ष हरीश वर्मा, नगर मंत्री सन्नी शर्मा, नीरज भठेजा, सुरेश उपाध्याय, सुभाष बाघला, सुभाष मेहंदीरत्ता, रमेश गांधी, परमजीत, जगदीश ढींगड़ा, विकास शर्मा, अनिल मेहता और विनोद सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



फतेहाबाद। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में भाग लेते मातृशक्ति व अन्य अतिथिगण।

फतेहाबाद में इफको किसान सेवा केंद्र पर ढाई हजार डीएपी बैग वितरित

फतेहाबाद। शिवालय मार्किट स्थित इफको किसान सेवा केंद्र पर बुधवार को करीब ढाई हजार डीएपी खाद के बैगों का वितरण किया गया। खाद लेने के लिए केंद्र पर पहुंचे किसानों ने बताया कि गेहूं की बिजाई का समय नजदीक होने के कारण खाद की मांग बढ़ गई है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि गेहूं की समय पर बिजाई करने के लिए डीएपी खाद की आवश्यकता होती है। खाद की कमी के चलते उन्हें अपनी फसल की बिजाई में देरी होने की चिंता सता रही है। किसानों ने कृषि विभाग से मांग की है कि इफको किसान सेवा केंद्र पर डीएपी खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि सभी किसानों को समय पर खाद मिल सके और गेहूं की बिजाई प्रभावित न हो। किसानों ने विभाग से जल्द समस्या का समाधान करने की अपील की है।

साक्षी अग्रवाल के भजनों पर भावविभोर हुए भक्त, जयकारों से गूंजा लाजपत नगर

'तेरी ज्योत मैं जगावां....' पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीएसपी रोड स्थित लाजपत नगर में मां भगवती के विशाल संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस संकीर्तन में भक्ति का ऐसा रंग जमा कि श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते रहे। गजानन मित्र मंडल की ओर से सजाए गए इस दरबार में भजन गायिका साक्षी अग्रवाल ने अपनी मधुर आवाज से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल माता के जयकारों से गूंज उठा। भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। कार्यक्रम में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था और रातभर दरबार में रौनक बनी रही। साक्षी अग्रवाल ने माता रानी के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। उन्होंने एक के बाद एक भेंटें प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जैसे ही उन्होंने 'तेरी ज्योत मैं जगावां, तेरे वारे-वारे जावां' भजन सुनाया, श्रद्धालु तालियां बजाते हुए माता की भक्ति में लीन हो गए। इसके बाद 'आज मैया का जगराता की भेंटें गाएंगे' और 'मां मुरादें पूरी करदे, हलवा बांटूंगी' जैसी भेंटों ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।



फतेहाबाद। भजन गायिका साक्षी अग्रवाल के भजनों के पर झूमते श्रद्धालु।

श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपना आस्था प्रकट की : प्रतिदिन श्रद्धालु दरबार में पहुंचकर माता की आराधना और भजन-कीर्तन में शामिल हुए। समापन अवसर पर आयोजित संकीर्तन में साक्षी अग्रवाल की भजन प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। उनकी मधुर आवाज और भक्तिमय भेंटों ने श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पूरा क्षेत्र माता के जयकारों से गूंजता रहा।

जयकारों से गूंजा पंडाल

संकीर्तन के दौरान मां भगवती की महिमा का गुणगान हुआ। श्रद्धालु हाथ उठाकर माता के जयकारे लगाते रहे। साक्षी अग्रवाल ने अपनी गायकी के माध्यम से भक्तों को माता के चरणों से जुड़ने का संदेश दिया। भक्ति संगीत की लय पर महिलाएं और पुरुष झूमते दिखाई दिए। हर भेंट के साथ पंडाल में उत्साह बढ़ता गया। श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर भजन गायिका का उत्साहवर्धन किया। माता के प्रति आस्था और श्रद्धा से सराबोर माहौल में देर रात तक भक्तों की भीड़ जमी रही। कार्यक्रम में माता की पारंपरिक भेंटों के साथ महामाई की महिमा और दरबार की महत्ता को दर्शाने वाले भजनों ने भक्तों को भाव-विभोर किया। संकीर्तन में भक्ति, संगीत और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। बता दें कि गजानन मित्र मंडल की ओर से नौ दिन तक मैया रानी का दरबार सजाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न कलाकारों ने अलग-अलग दिन माता के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई और भजनों के माध्यम से मैया की महिमा का गुणगान किया।

खबर संक्षेप

प्रकाशोत्सव की तैयारियों को लेकर की बैठक

रतिया। गुरु रामदास महाराज का प्रकाशोत्सव की तैयारियों को लेकर शहर के पुराना बाजार स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब में श्री गुरु रामदास सेवा सोसायटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जगसीर सिंह ने की। सचिव हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि चौथे पातशाह श्री गुरु रामदास साहिब महाराज जी का प्रकाशोत्सव सोसायटी द्वारा संगत के सहयोग से हर वर्ष गुरद्वारा साहिब में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि बैठक में सदस्यों द्वारा 27 अक्टूबर को गुरु रामदास महाराज जी का प्रकाशोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके 25 को श्री अखंड पाठ साहिब के पाठ का प्रकाश किया जाएगा।

84 वर्षीय बाधो देवी का मरणोपरांत शरीरदान

भट्टूकलां। गांव दैय्यड़ निवासी 84 वर्षीय बाधो देवी के मरणोपरांत उनके परिजनों ने उनका पार्थिव शरीर मेडिकल रिसर्च के लिए दान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। बाधो देवी अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार और समाज सेवा की अनूठी मिसाल छोड़ गई हैं। उनकी अंतिम विदाई का सबसे प्रेरणादायक और मार्मिक पहलू यह रहा कि उनकी चारों सुपुत्रियों चंद्रप्ति, बिमला, सरस्वती और मूर्ति ने अपनी माता की अर्थी को कंधा देकर समाज में लैंगिक समानता और रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर एक सशक्त संदेश दिया। इस अवसर पर कृष्ण इंसां, कुलदीप, करण, सुनील, आनंद, रामस्वरूप, जिले सिंह, प्रकाश, मांगे राम व अन्य मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बुधवार को वन डे कैंप का आयोजन किया गया। एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, विभिन्न जागरूकता गतिविधियों तथा एक विशाल नशामुक्ति रैली का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत आयोजित नशामुक्ति रैली को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनीता सिंह ने महाविद्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली महाविद्यालय से आरंभ होकर सिहाग हॉस्पिटल और न्यू बस स्टेंड होते हुए प्रमुख मार्गों से गुजरी।

खेतों में नहीं जल रही पराली, सीबीजी प्लांट और गिट्टी यूनिट में खप रही

फतेहाबाद में इस बार एक्टिव फायर लोकेशन जीरो

ड्रोन से दिन-रात निगरानी, किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद



खेतों में पराली जलने से उठने वाला धुआं इस बार फतेहाबाद में नजर नहीं आ रहा। पिछले दो साल के मुकाबले इस बार पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है। जिले में अब तक एक्टिव फायर लोकेशन की संख्या शून्य बताई जा रही है। वर्ष 2025 में इसी समय तक पराली जलाने के 88 मामले सामने आए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 130 तक पहुंच गया था। इस बार प्रशासन की निगरानी, पराली प्रबंधन के विकल्प और पराली की व्यावसायिक खपत को इस बदलाव की प्रमुख वजह माना जा रहा है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि खेतों में आग लगाने के बजाय पराली की गांठें बनाकर उन्हें ईंधन और ऊर्जा उत्पादन के काम में लाया जा रहा है। कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांटों में पराली की खपत हो रही है, वहीं जिले में लगी गिट्टी यूनिट पराली से ईंधन तैयार कर रही हैं। इससे पराली किसानों के लिए केवल फसल अवशेष नहीं, बल्कि कमाई का एक संभावित जरिया भी बन रही है।

दो साल में 130 से शून्य तक पहुंचा आंकड़ा

पराली जलाने के मामलों की तुलना करें तो बदलाव साफ दिखाई देता है। वर्ष 2024 में इसी तारीख तक 130 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2025 में इनकी संख्या 88 रही। इस बार अब तक एक्टिव फायर लोकेशन जीरो है। यानी 2024 के मुकाबले 130 और पिछले साल के मुकाबले 88 कम मामले दर्ज हुए हैं। पिछले वर्षों में हरसेक के माध्यम से खेतों में आग लगने की लोकेशन मिलती थी। इसके बाद कृषि विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर जांच करती थीं। पराली जलाने की पुष्टि होने पर संबंधित किसान के खिलाफ एफआईआर और जुर्माने की कार्रवाई की जाती थी। किसान को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रेड जोन में डालने और सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल बेचने से प्रतिबंधित करने जैसी कार्रवाई भी की जाती थी। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जिले में दो ड्रोन भी लगाए गए हैं। ये दिन-रात खेतों पर नजर रख रहे हैं।

पराली की गांठों से गैस और ईंधन तैयार

पराली प्रबंधन के लिए प्रदेश सरकार किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन दे रही है। इसके अलावा बेलर संचालक किसानों से करीब 2000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से पराली खरीदकर उसकी गांठें बना रहे हैं। इन गांठों को सीबीजी प्लांटों तक पहुंचाया जाता है, जहां इनका इस्तेमाल गैस उत्पादन में होता है। दूसरी ओर, जिले में लगी गिट्टी यूनिट पराली को संसाधित कर ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने वाली गिट्टी तैयार कर रही हैं। इस गिट्टी का उपयोग ईंट-भट्ठों और अन्य फैक्ट्रियों में किया जा रहा है। इस व्यवस्था से पराली की खपत के लिए वैकल्पिक बाजार तैयार हो रहा है। किसानों को पराली हटाने का विकल्प मिल रहा है और उद्योगों को ईंधन के लिए दूसरा स्रोत उपलब्ध हो रहा है।

एक्यूआई 150, लेकिन सीजन पर रहेगी नजर

पिछले वर्षों में पराली जलाने की घटनाओं के दौरान फतेहाबाद का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 से 500 के बीच खतरनाक स्तर तक पहुंचने की बात सामने आई थी। इस बार पराली जलाने की एक्टिव लोकेशन शून्य होने के बीच एक्यूआई 150 बताया गया है। यह पिछले बताए गए स्तरों से काफी कम है, हालांकि 150 को पूरी तरह स्वच्छ हवा नहीं कहा जा सकता। वायु गुणवत्ता पर मौसम, धूल और अन्य प्रदूषण स्रोतों का भी असर पड़ता है। फिलहाल पराली जलाने की घटनाओं में कमी राहत देने वाली है, लेकिन असली चुनौती पूरे सीजन इस स्थिति को बनाए रखने की है।

पराली प्रबंधन के लिए गिट्टी यूनिट

पराली प्रबंधन के लिए गिट्टी यूनिट एक ऐसी आधुनिक एक्स-सीटू तकनीक है जिसमें धान की पराली को सुखाकर और कंप्रेस करके ठोस छर्रों या गिट्टियों में बदला जाता है। यह तकनीक पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ-साथ किसानों और उद्यमियों के लिए कमाई का एक बेहतरीन जरिया बनकर उभरी है। इन गिट्टियों का उपयोग थर्मल पावर प्लांट, ईंट भट्ठों और अन्य उद्योगों में कोयले के साथ या कोयले के विकल्प के रूप में किया जाता है। सरकार के नियमों के अनुसार, कई राज्यों में थर्मल पावर प्लांट और ईंट भट्ठों में ईंधन के रूप में न्यूनतम प्रतिशत जैसे ईंट भट्ठों में 20 प्रतिशत तक पराली की गिट्टियों या बालन का इस्तेमाल करना अनिवार्य किया गया है। कोयले की जगह इन गिट्टियों को जलाने से पर्यावरण में कार्बन और हानिकारक गैसों का उत्सर्जन बेहद कम होता है।

- राजपाल, तकनीकी सहायक, कृषि विभाग फतेहाबाद

डीसी ने किया टोहाना, रतिया, जाखल और धारसूल अनाज मंडियों का दौरा

धान उठान में देरी पर उपायुक्त ने अधिकारियों को लगाई फटकार

ठेकेदारों की सुबह और शाम नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश, जल्द से जल्द उठान करवाने को कहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/रतिया



फतेहाबाद। रतिया अनाज मंडी में धान उठान कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती। *फोटो : हरिभूमि*

मंडियों में धान के उठान कार्य में तेजी लाकर खरीदी गई फसल का समय पर उठान सुनिश्चित करें, ताकि मंडियों में अनाज का अनावश्यक जमाव न हो और नई फसल की आवक के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध रहे। उठान में देरी से खरीद प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए और किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार न करना पड़े। यह निर्देश डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को टोहाना, रतिया, जाखल और धारसूल की अनाज मंडियों का दौरा कर धान खरीद एवं उठान व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और खरीद एजेंसियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे उठान कार्य में लगे ठेकेदारों की सुबह और शाम नियमित मॉनिटरिंग करे तथा खरीद और उठान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न होने दे।

दौरे के दौरान डीसी ने धान उठान की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धान की आवक के अनुरूप उठान कार्य लगातार जारी रहना चाहिए, ताकि मंडी में फसल का ढेर न लगे और किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी न हो। इसके लिए खरीद एजेंसियां और संबंधित विभाग आपसी तालमेल से कार्य करें। उन्होंने उठान ठेकेदारों के कामकाज की सुबह-शाम निगरानी सुनिश्चित करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

समर्थन मूल्य पर होगी खरीद

जाखल अनाज मंडी में डीसी ने किसानों से बातचीत कर धान खरीद से संबंधित समस्याओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल सरकार की हिदायतों अनुसार समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। किसान की औसत प्रति एकड़ से अधिक उपज है तो वे किसान संबंधित मंडी सचिव को लिखित आवेदन दें। ऐसे मामलों में नियमानुसार सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर धान की खरीद सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करते हुए खरीद प्रक्रिया सुचारु बनाए रखें। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम आकाश शर्मा, आरटीए संजय बिश्नोई, डीएफएससी कुशल बूरा सहित खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी



पांच दिवसीय बाल साहित्य लेखन कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

सिरसा। माता महादेवी कौशिक बाल साहित्य संस्थान, सिरसा द्वारा श्री युवक साहित्य सदन के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय बाल साहित्य लेखन कार्यशाला का उद्घाटन बुधवार को दी सिरसा स्कूल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. डॉ. सुनील कुमार थे जबकि अध्यक्षता निदेशिका एवं प्रिंसिपल मनीषा गोदारा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयंत कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष, संस्कार भारती, संस्था संरक्षक प्रो. रूप देवगुण, युवक साहित्य सदन के प्रधान प्रवीण बागला तथा मुख्य प्रशिक्षक उदय किरौला शामिल हुए। कुलसचिव ने एक कहानी के माध्यम से गुरु का महत्व बताया। माता महादेवी कौशिक बाल साहित्य संस्थान की अध्यक्ष डॉ. शील कौशिक ने कहा कि सोशल मीडिया के युग में बच्चों की प्रतिभा छिन गई है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें प्रेरित करना है।



पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लें विद्यार्थी: अर्पित सिंगल

सिरसा। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में बाल दिवस के अवसर पर 21 से 28 अक्टूबर तक विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित सिंगल ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलना चाहिए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में भाग लेना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों को सही दिशा में आगे बढ़ाना है। जिला बाल कल्याण अधिकारी नरेंद्र सिंह मलिक ने बताया कि आयोजित प्रतियोगिताओं में कई वर्गों में प्रतियोगिताएं करवाई गई।

वादों पर खरी नहीं उतरी भाजपा सरकार : राव



सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा में भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान किए गए बड़े-बड़े वादों और जनता की मौजूदा समस्याओं के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि हरियाणा को टूरिस्ट मुख्यमंत्री नहीं बल्कि पूर्णकालिक मुख्यमंत्री चाहिए। राव नरेंद्र सिंह ने बुधवार को कांग्रेस के जिला भवन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन प्रदेश की जनता आज भी अपराध, बेरोजगारी, किसानों की परेशानियों, भ्रष्टाचार और सरकारी सेवाओं की बदहाली जैसे मुद्दों से जूझ रही है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने हर वर्ग से बड़े-बड़े वादे किए थे। अब सरकार बताए कि कितने वादे पूरे हुए, कितनों पर काम चल रहा है और शेष घोषणाओं को पूरा करने की समयसीमा क्या है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, किसानों की परेशानियों, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कथित घोटालों, स्वास्थ्य सेवाओं, नशे और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा। इस मौके पर पदाधिकारी मौजूद रहे।



सिरसा। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

भाषण प्रतियोगिता में खुशहाल और पोस्टर मेकिंग में रियान ने बाजी मारी

सिरसा। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभा एवं शिक्षा समिति हरियाणा शिक्षा की ओर से बेगू रोड स्थित अंबेडकर भवन में विजयदशमी पर एक समारोह आयोजित किया गया जिसका विषय अपनी संस्कृति को जानो था। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं की तीन अलग-अलग श्रेणियों में पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में खुशहाल प्रथम स्थान पर रहा, जबकि पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्राथमिक वर्ग में रियान व माध्यमिक वर्ग में कशिश प्रथम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को डॉ. भीमराव अंबेडकर की फोटो लगा एक-एक विशेष पेन व प्रशस्ति पत्र दिए गए। वहीं प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रो. सुरेश, डॉ. रेखा व रामस्वरूप ने जज के तौर पर भाग लिया।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, परिजन किए सम्मानित

सिरसा। बरनाला रोड स्थित पुलिस लाइन में बुधवार सुबह पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण सहित अनेक पुलिस अधिकारियों और जवानों ने देश की सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस और अद्धसैनिक बलों के जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिला सिरसा में अपनी ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सब इंस्पेक्टर हंसराज व सब इंस्पेक्टर हरनाम सिंह के परिजनों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। एसपी ने इस अवसर पर कहा कि शहीद देश की अमूल्य धरोहर हैं। एसपी ने बताया कि हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले का मुकाबला करते हुए शहीद हुए 10 पुलिस कर्मियों की याद में इस दिवस की शुरुआत हुई थी। देशभर के सभी राज्यों में एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक शहीद हुए पुलिस व अद्धसैनिक बलों के 154 जवानों के नामों का वाचन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।



सिरसा। एसपी शहीद पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को पुष्पचक्र अर्पित करते हुए।

गेहूं के एमएसपी में 25 रुपये की बढ़ोतरी किसानों के साथ भद्दा मजाक : कुलजीत

फतेहाबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में नाममात्र की बढ़ोतरी के विरोध में जजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को फतेहाबाद में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत जिलाध्यक्ष रविंद्र बेनीवाल की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित एक ज्ञापन फतेहाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया को सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान जजपा के वरिष्ठ नेता कुलजीत कुलडिया ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हाल ही में गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में मात्र 25 रुपये प्रति क्विंटल की मामूली बढ़ोतरी की गई है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में अन्नदाता किसानों के साथ एक भद्दा मजाक है। जजपा नेताओं ने मांग की कि कृषि लागत, डीजल, खाद, कीटनाशक व कृषि उपकरणों के बढ़ते दामों के अनुपात में गेहूं के समर्थन मूल्य में कम से कम 200 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की जानी चाहिए।

किसान नेता कृष्ण स्वरूप गोरखपुरिया की सातवीं पुण्यतिथि 23 को

गोरखपुर में जुटेंगे देश-प्रदेश के किसान व सामाजिक कार्यकर्ता

सामाजिक सुधारों तथा किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के मुद्दों पर करेंगे मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



कृष्णस्वरूप गोरखपुरिया

किसान नेता, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक कृष्ण स्वरूप गोरखपुरिया की सातवीं पुण्यतिथि पर 23 अक्टूबर को फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में हरियाणा सहित देशभर से किसान, सामाजिक कार्यकर्ता, मजदूर नेता और प्रबुद्ध जन जुटेंगे। इस दौरान किसानों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों और उनके अधिकारों पर विस्तार से मंथन किया जाएगा। दिवंगत नेता के बेटे मिंटू राम ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गोरखपुरिया के सामाजिक सुधारों तथा किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए आजीवन संघर्षों को याद करना है। परिवार और ग्रामीण उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विशेष तौर पर जातिगत भेदभाव, कन्या भ्रूण हत्या, ऑनर किलिंग और अंधविश्वास के खिलाफ उनके चलाए गए अभियानों को आगे बढ़ाया जाएगा।

सामाजिक न्याय और समानता की मिसाल

गोरखपुर गांव में जन्मे गोरखपुरिया आर्य समाज के सुधारक माडू राम आर्य से गहरे प्रभावित थे। उन्होंने हमेशा तर्कशील सोच, समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। वह लड़कियों की शिक्षा के प्रबल पक्षधर थे और पर्दा प्रथा जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाते थे। वर्ष 1977 में जब गांव के एक प्रभावशाली वर्ग द्वारा वाल्मीकि परिवारों का सामाजिक बहिष्कार किया गया, तब गोरखपुरिया ने आगे आकर इसका कड़ा विरोध किया और प्रभावित परिवारों को अपनी जमीन पर पशु चराने की अनुमति दी। उनके साहसिक हस्तक्षेप से दोनों समुदायों के बीच तनाव कम हुआ और वर्ष 1978 में वह सर्वसम्मति से गांव के सरपंच चुने गए।

किसानों और मजदूरों के लिए किया संघर्ष

किसान कार्यकर्ता बलबीर सिंह ने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाने के कारण गोरखपुरिया का कई बार प्रशासन से टकराव भी हुआ। वर्ष 1973 में शिक्षकों के आंदोलन के समर्थन पर उनकी गिरफ्तारी हुई। 1975 में आपातकाल के दौरान वे 18 महीने तक भूमिगत रहे, जिसके चलते उनके पिता रण सिंह को पुलिस ने प्रताड़ित भी किया। उनका नाम पुलिस की हिस्ट्रीशीटर सूची में डाल दिया गया था, जिसे 1978 में सरपंच बनने के बाद हटाया गया। इसके अलावा, वर्ष 1991 में हिसार में मिल मजदूरों के आंदोलन में भाग लेने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिन्हें बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के हस्तक्षेप के बाद रिहा कराया गया था।

वर्तमान चुनौतियों पर होगा मंथन

किसान नेता सुरेंद्र ने कहा कि यह पुण्यतिथि केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं होगी, बल्कि यह किसानों और मजदूरों के समक्ष खड़ी मौजूदा आर्थिक व सामाजिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का एक बड़ा मंच बनेगी। गोरखपुरिया ने 1857 के विद्रोह में हरियाणा की भूमिका पर 'पहली जंग-ए-आजादी और राव तुलाराम' नामक महत्वपूर्ण पुस्तक भी लिखी थी। 23 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन में भारी संख्या में किसानों, लेखकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं शामिल होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005